

भारत सरकार  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग  
(समन्वय अनुभाग)  
\*\*\*\*

टेक्नोलॉजी भवन, नई मेहरोली रोड  
नई दिल्ली-110016  
# Approved Date#

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए सितंबर, 2020 माह का मासिक सारांश।

अधोहस्ताक्षरी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 30 सितंबर, 2020 को समाप्त माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों एवं प्राप्त मुख्य उपलब्धियों के मासिक सारांश की एक प्रति सूचना हेतु भेजने का निर्देश हुआ है।

2. इस मासिक सारांश को सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पहले ही अनुमोदित कर दिया गया है।

(पुलक सेन गुप्ता)  
अवर सचिव, भारत सरकार

सेवा में,  
मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य (Annexure-I)

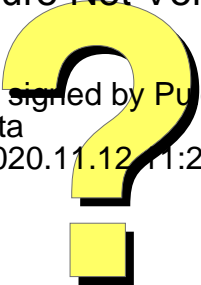
अनुलग्नकों के साथ प्रति अग्रेषित :

1. उपाध्यक्ष, नीति आयोग, नीति भवन, नई दिल्ली (vch-niti@gov.in)
2. अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग (chairman-upsc@gov.in)
3. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नीति आयोग नीति भवन (ceo-niti@gov.in)
4. प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय, साउथ ब्लॉक (pkmishra.pmo@gov.in)
5. नीति आयोग के सभी सदस्य, नीति भवन, नई दिल्ली (vk.saraswat@nic.in, rc.niti@gov.in, vinodk.paul@gov.in )
6. भारत के राष्ट्रपति के सचिव (secy.president@rb.nic.in)
7. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव (secyvp@nic.in)
8. भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार (vijayraghavan@gov.in)
9. भारत सरकार के सचिव (secy-goi@lsmgr.nic.in)
10. मुख्य महानिदेशक, प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो (pdg-pib@nic.in)

- 11.निदेशक, केबिनेट सेक्रेटरी एट (cabinet@nic.in)
- 12.श्री संजय कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' डीएसटी (मासिक सारांश को डीएसटी वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए) (sanjaykr.mishra@nic.in)
- 13.सचिव डीएसटी के वरिष्ठ मुख्य निजी सचिव (anuj.tripathi@nic.in)

Signature Not Verified

Digitally signed by Puok  
Sengupta  
Date: 2020.11.12 11:24:30 IST



## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

### मासिक रिपोर्ट

सितंबर, 2020

I. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्राप्त प्रमुख उपलब्धियाँ:**  
क **कोविड-19 के लिए डीएसटी द्वारा किए गए विभिन्न उपाय**

1. बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी), लखनऊ स्थित कोविड -19 प्रयोगशाला उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में कोविड -19 के नमूनों की नियमित रूप से (दैनिक आधार पर) जांच कर रही है और इसने नमूनों के औसतन प्रक्रमण काल की दृष्टि से भारतीय प्रयोगशालाओं में सबसे तेज निष्पादन सूचित किया ।
2. **एससीटीआईएमएसटी** ने "एक्रिलोसोर्ब" नामक प्रभावी रोगानुशाक से युक्त अति अवचूषक पदार्थ के अस्तरवाले कनस्तर बैगों का प्रगत निर्माण किया ताकि कोविड -19, तपेदिक (टीबी) और इन्फ्लूएंजा जैसे अत्यधिक संसर्गज रोगों से जो स्वास्थ्य कर्मियों के बीच संक्रमण का उच्च जोखिम पैदा करते हैं; पीड़ित रोगियों के श्वसन स्राव का निपटान किया जा सके।



### **(एक्रिलोसोर्ब)**

3. कोविड-19 की उपचारात्मक कारवाई, ज्ञान मथन और समग्र विश्लेषण (**रक्षक**) अब आईआईटी, जोधपुर में टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (टीआईएच) व्यवस्था का घटक है। **रक्षक** के तहत महामारी कोविड-19 के संकट को कम करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (**एआई**) पर आधारित प्रौद्योगिकी मंच बनाने हेतु विभिन्न परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं।
4. ऋण करार पर 23 सितंबर, 2020 को मेसर्स कोकोस्लेब इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर के साथ हस्ताक्षर किए गए ताकि "एडवांस्ड विडियो एनालिटिक्स फॉर लो-कोस्ट थर्मल कैमरा टू इडेंटिफाई पर्सनस विद अबनॉर्मल बॉडी टेंपरेचर इन पब्लिक प्लेसस" नामक परियोजना की कुल परियोजना लागत 590.94 लाख रुपए में से 275.00 लाख रुपये आंशिक निधीयन हेतु ऋण सहायता के रूप में प्राप्त हो सके।
5. सहायता अनुदान करार पर मेसर्स एडवांस मैकेनिकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड बेंगलूर के

साथ 4 सितंबर, 2020 को हस्ताक्षर किए गए ताकि “इंडस्ट्रियल आईओटी एनब्लेड आईआर थर्मोग्राफी-बेस्ड टैपरेचर स्कैनर्स” नामक परियोजना की कुल परियोजना लागत 70.00 लाख रु में से 21.50 लाख रु से आंशिक निधीयन हेतु अनुदान सहायता के रूप में प्राप्त हो सके।

6. सहायता अनुदान करार पर मेसर्स एवोबी ऑटोमेशन प्राइवेट. लिमिटेड, बेंगलूर के साथ 25 सितंबर, 2020 को हस्ताक्षर किए गए ताकि “पोर्टेबल अल्ट्रा-वाँयलेट बेस्ड बॉक्स स्टेरिलाइजर एंड मोड्यूलर मोवेबल अल्ट्रा-वाँयलेट बेस्ड इंडोर रूम स्टेरिलाइजर” नामक परियोजना की कुल परियोजना लागत 35.50 लाख रु में से 15.00 लाख रु आंशिक निधीयन हेतु अनुदान सहायता के रूप में प्राप्त हो सके।

#### ख. समाज के लिए विज्ञान

1. नेशन इनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ), अहमदाबाद द्वारा नवीन कृषि पादप किस्मों के अधिप्रमाणन से पता चला है कि मखियत मुबी मटर (बेहतर उपज, प्रति पौधा अधिक फली, फली की अधिक लंबाई, प्रति फली बीज की मोड संख्या और बीज का अधिक वजन), पहाड़ी मिर्च कद्दू (उच्च पैदावार), गेहूं की किस्म **बीएलके** बालाजी (स्तंभ किट्ट में अत्यधिक प्रतिरोधी और पत्ती किट्ट-उत्तर में विमंदक प्रतिरोधी है) और गेहूं किस्म **कुदरत** 9 (पत्ती किट्ट उत्तर में अत्यधिक प्रतिरोधी पाई जाती है और पत्ती किट्ट दक्षिण में विमंदक प्रतिरोधी है)। चावल की किस्म 'चिनार 20' चावल के प्रमुख कीटों के लिए प्रतिरोधी पाई गई। लक्षणहीन स्तनशोथ और अंतः परजीवी ग्रसन के उपचार में तीन स्वदेशी औषधि प्रयोग का मूल्यांकन किया गया और उन्हें प्रभावी पाया गया
2. भारत विज्ञान अभियान, माइ गवर्नमेंट मंच के माध्यम से विज्ञान प्रसार (**वीपी**) द्वारा शुरू किया गया। भारत विज्ञान का कार्यक्रम मंच बनाने के लिए **आईबीएम** के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
3. इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनई), गुडगाँव ने “राष्ट्रीय आपदा निपटान तकनीकी तत्परता पर एक श्वेत पत्र तैयार किया।
4. वैज्ञानिक गतिविधियों का लोकप्रियकरण इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के जरिए अघारकर रिसर्च इंस्टीट्यूट (एआरआई), पुणे द्वारा किया गया। **डीएसटी विज्ञान समाचार** ने संस्थान में किए गए शोध कार्यविषयक लेखों को <https://dst.gov.in/two-new-species-pipeworts-discovered-western-ghats-maharashtra-karnataka> पर प्रकाशित और प्रचारित किए।
5. **एनआईएफ** ने थेनी, तमिलनाडु और खासी हिल्स क्षेत्र, मेघालय में ऊर्जा अपव्ययनिवारक स्टोव, इमली डीसीडर-, फ्रूट निपर जैसे विभिन्न प्रौद्योगिकियों और कुछ पादप किस्मों के लिए प्रौद्योगिकियों के प्रसार की शुरुआत की।
6. भारतीय पेटेंट "इलेक्ट्रॉनिक श्वसनमापी नैदानिक आदि प्ररूप रूपांकन और प्रगत निर्माण" परियोजना के तहत उन्नत रूप से निर्मित हस्तधारित श्वसनमापी तंत्र के लिए प्रदान किया गया है जिससे दिव्यांगजन और वयोवृद्ध जनार्थ प्रौद्योगिकीय बेहतर सहाय कार्यक्रम के

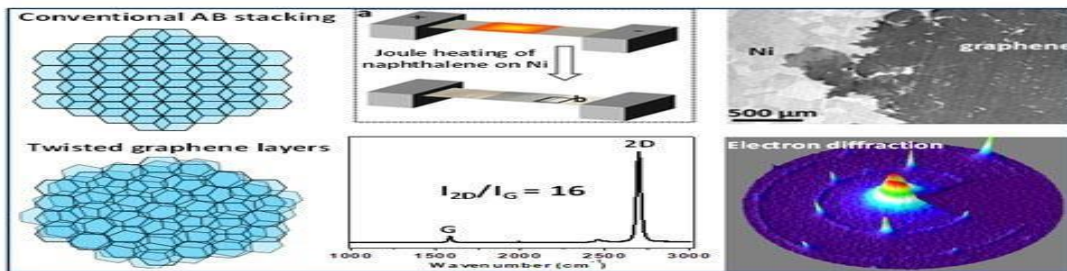
अंतर्गत डॉ अमृत दीक्षित, दिशा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी संस्थान को सहायता मिली।

### ग. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी मिशन

1. मेजबान संस्थान, धारा-8 कंपनी और मिशन कार्यालय के बीच त्रिपक्षीय करार का मसौदा-पूर्व पाठ राष्ट्रीय अंतरविषयक साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) के कार्य समूह (डब्ल्यूजी) के समक्ष 11 सितंबर 2020 को रखा गया ताकि कुछ संशोधन किए जा सकें/सुझाव दिए जा सकें। तदनुसार, त्रिपक्षीय करार के मसौदे-पूर्व पाठ पर चर्चा करने के लिए कार्यसमूह के सदस्यों के साथ वीसी की बैठक 16 सितंबर 2020 को आयोजित की गई।
2. अतिक्रांतिक कार्बन डाइऑक्साइड (एससीओ<sub>2</sub>) वाले सांद्रित सौर ऊर्जा (सीएसपी) संयंत्र के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीआरपी) का काम आईआईएससी बंगलोर को प्रदान किया गया है, जिससे हासित कार्बन के पर्यावरण पर प्रभाव के साथ नव ऊर्जा चक्रों के प्रगत निर्माण का तंत्र प्रशस्त होगा।
3. निम्नलिखित प्रक्षेत्र में परियोजनाओं के सुचारु कार्यकरण के लिए निधियों की समीक्षा / निर्मुक्ति:-
  - सौर पैनलों पर अति जलविरोधी प्रतिपरावर्तक विलेपन का विरचन ताकि इसकी दक्षता बढ़ सके।
  - सौरइलेक्ट्रिकल हाइब्रिड सिस्टम का डिजाइन और विकास-थर्मल और थर्मल-
  - उच्च दक्षता नैनोवेदार एच :एसआई-एचआईटी सौर सेल के लिए जांच को संभव करना
  - विभिन्न विद्युत अपघट्यों वाले रंजक संवेदीकृत सौर सेल प्रतिरूपकों का स्वदेशी रूप से प्रगत निर्माण।

### घ. प्रौद्योगिकी विकास

1. ग्राफिन उत्पादन वर्धक नई अल्प लागतवाली प्रणाली, इसके एकल स्तरित गुणधर्मों को परिष्कृत करते हुए, जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च बंगलूरु में सरल, किफायती प्रणाली द्वारा विकसित की गई जिसमें नैफ्थलीन विलेपित निकैल पर्णिका साधारण निर्वात में जूल ऊष्मण द्वारा कुछ मिनटों तक ऊष्मित की गई और ग्राफिन के व्यावर्तित स्तरों को प्राप्त करने के लिए शीतलित की गई।



2. मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना श्री चित्रा तिरुनल (मेडस्पार्क)आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान)एससीटीआईएमएसटी( और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (केएसआईडीसी) की संयुक्त पहल के रूप में,तिरुवनंतपुरम में की जा रही है । **मेडस्पार्क** का उद्देश्य उद्योग की जरूरतों वाली चिकित्सा युक्ति के प्रगत निर्माण से संबंधित पूर्ण श्रृंखलाबद्ध सेवा की पेशकश करने हेतु समर्थकारी प्रणाली सृजित करना है।
3. एससीटीआईएमएसटी के बायोमेडिकल टेक्नोलॉजी विंग में मेडिकल डिवाइसेज इंजीनियरिंग विभाग की रिसर्च टीम ने सरल, उन्नत और लागत प्रभावी रक्त प्रवाह मीटर की प्रौद्योगिकी का प्रगत निर्माण किया है। डिवाइस की तकनीकी जानकारी वाणिज्यिक उत्पादन के लिए **मेसर्स एनप्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड** को अंतरित कर दी गई है।



**(रक्त प्रवाह मीटर)**

4. गहरी शिरा घनासता (**डीवीटी**) गहराई में स्थित शिराओं, आमतौर पर पादों में रक्त थक्के का निर्माण कहलाता है। एससीटीएमआईएसटी ने, डीवीटी की रोकथाम के लिए युक्ति का प्रगत निर्माण किया है। इस डिवाइस के निर्माण और बिक्री का लाइसेंस केरल की कोच्चि में स्थित **मेसर्स एनप्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड** को अंतरित किया गया।



**(बाह्य वातीय संपीडन युक्ति)**

5. एससीटीआईएमएसटी ने ऑर्थोटिक्स एंड रिहैबिलिटेशन आरएंडडी वर्टिकल स्थापित करने के लिए **मेसर्स टायनॉर ऑर्थोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टायनॉर)**, मोहाली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिससे कि स्वदेशी उपकरण विकास को बढ़ावा दिया जा सके। टाइनोर, ऑर्थोटिक युक्तियों के सहविकास के लिए और ऑर्थोटिक्स और पुनर्वास - में संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एससीटीआईएमएसटी के साथ सहयोग करेगा । इस संस्थान उद्योग सहयोग का मुख्य उद्देश्य-अस्थिसंधिशोध और मधुमे से पाद व्रण जैसे नैदानिक रोगों का प्रबंध करने के लिए ऑर्थोज का गुच्छ निर्मित करना है।



6. इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई), हैदराबाद ने पेट्रोलियम कचरे से प्राप्त सक्रियित कार्बन का उपयोग करके पेट्रोलियम कोक आधारित सुपर कैपेसिटर को स्वदेशी रूप में विकसित किया है।



(सुपर कैपेसिटर)

7. इस प्रथम प्रोटोटाइप सुपर कैपेसिटर ने 1200F की उच्च धारिता का प्रदर्शन किया। एआरसीआई ने स्फुलिंग प्लाज्मा सिन्टरन तकनीक द्वारा युक्तिपूर्ण अनुप्रयोगों में प्रयुक्त टंगस्टेन भार तुला (बैलेंस)का निर्माण किया।



(टंगस्टेन भार तुला)

8. भारतीय कोयला से मेथनॉल उत्पादनपायलट प्लांट डेमोस्ट्रेशन :, उत्प्रेरण और अग्रनयन प्रौद्योगिकी पर विचार विमर्श-करने के लिए आईआईटी दिल्ली और इमैक्स पुणे के विशेषज्ञों के साथ डीएसटी के सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई ।

9. एकीकृत स्थानीय ऊर्जा प्रणालियों पर भारतयूरोपीय संघ के संयुक्त आह्वान के तहत - प्राप्त प्रस्तावों की उपयुक्तता की जांच करनेके लिए आईआईटी दिल्ली में छानबीन समिति की बैठक हुई ।
10. प्रभाग ने आईआईटी मद्रास तथा आईआईटी बाम्बे के सहमार्गदर्शन में बहु संस्थागत मांग - नई जलापूर्ति इष्टतम प्रचालन कार्यनीति योजना के लिए -प्रेरित मोडवाली परियोजना अपनी सहायता, नियोजन और विकेंद्रीकृत अवसंरचना के उपयोग द्वारा, सुदृढ़ की है। परियोजना टीम ने निर्धारित समयसीमा के अनुसार प्रस्तावित उद्देश्यों को पूरा किया है जिसमें फील्ड विजिट और साइट की तैयारी पूरी कर ली गई है। उपयोगकर्ता कार्यशालाओं में अभिप्रस्तावों के निर्माण तथा परिणामों के प्रचार का काम पूरा हो गया है। हाइड्रोलिक सिमुलेशन और विश्लेषणकारी बेहतर कार्रवाई के आधार पर जिसमे पायलट क्षेत्र को डिजाइन किया गया, यह काम तीन चरणों में पूरा करने का प्रस्ताव है और पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। ट्रांसमिशन लाइनों में पांच महत्वपूर्ण वाल्व लोकेशन के अवस्थापन की पहचान की गई है। समुचित विनिर्देशन वाले ऐक्युएटरों का प्रापण किया गया और उन्होंने सफलतापूर्वक काम शुरू कर दिया है। ऐक्युएटरों के प्रापण की पहल 10 की गई है तथा संवेदकों का प्रापण पूरा हो गया है। प्रचालन तकनीकों में सूक्ष्म और सटीक सुधार करके उनका प्रगत निर्माण किया गया है। वर्तमान प्रचालन के बारे में बेसलाइन डेटा एकत्र किया गया है। दाब और प्रवाह के लिए निरोध बेसलाइन डेटा एकत्र किया गया है।
11. डीएसटीयूके वाटर क्वालिटी रिसर्च प्रोग्राम -ईपीएसआरसी द्वारा सहायित इंडो / एनईआरसी- के तहत 8 इंडो यूके परियोजनाओं की समीक्षा के लिए दो दिन की दूरस्थ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया और उसमें भागीदारी की गई। यह बैठक 10-11 सितंबर 2020 को आयोजित की गई। समीक्षा की गई 8 परियोजनाएँ विभिन्न प्रदूषकों के स्रोतों और परिणाम की बेहतर समझ प्रदान करते हुए पानी की गुणवत्ता में सुधार पर काम कर रही हैं। भारत और ब्रिटेन के पानी की गुणवत्ता के मुद्दों को हल करना और उनसे निपटना और स्वच्छ पानी, की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए नदियों को पुनर्युवनित करना और पारिस्थितिकी को पुनः स्थापित करना। इस संयुक्त कार्यक्रम के तहत इन: 8 परियोजनाओं में प्रदूषकों के स्रोतों, परिवहन, रूपांतर, अन्योन्यक्रिया और परिणाम की समझ बेहतर करने और लोगों और पर्यावरण दोनों के लिए उत्पन्न जोखिमों का निर्धारण करने हेतु शोध को सहायित करने का उल्लेख है।
12. दो नई प्रौद्योगिकी श्रेणीप्रयोगशाला स्तरीय परियोजनाओं के प्रदर्शन को इस महीने के :  
:दौरान मंजूरी दी गई
  - " वास्तविक समय की निगरानी और नियंत्रण प्रणाली के साथ विद्युत्लेपन बहि :स्त्राव से पानी की प्राप्ति के लिए उच्च निष्पादक एकीकृत द्विचरणीय विद्युत रासायनिक -  
" प्रौद्योगिकी



- “सिरेमिक मम्ब्रेन और माइक्रोचैनल रिएक्टरों का उपयोग करते हुए एकीकृत अपजल अभिक्रिया और ईंधन उत्पादन तंत्र का प्रगत निर्माण”.

13. औद्योगिक बहिस्त्रावों से अम्ल प्राप्ति के लिए विद्युत प्रचक्रित विलायक सिन्टर्ड ऋणायन विनिमय झिल्ली
14. अपजल से कार्बनिक प्रदूषकों के सुकर पृथक्करण के लिए जीवभारव्युत्पन्न नैनोसेलूलोस - आधारित चुंबकीयनैनोयौगिकों के बहुमुखी तंत्र का उपयोग करना।
15. औद्योगिक अपजल को स्वच्छ करने और साथ ही किसी बाहरी स्रोत के बिना बिजली उत्पन्न करने के लिए स्वपोषित प्रणाली-।
16. **एमिटी** विश्वविद्यालय, नोएडा के लिए **टीएमडी (ईडब्ल्यूओ)** सहायित परियोजनाओं में से एक में; प्रो सुमन के कार्यसमूह ने अपजलगंदे जल से बिजली उत्पादन किया है और साथ / ही बाहर से किसी सामग्री और बिजली का उपयोग किए बिना अपजल को स्वच्छ कर रहे हैं। बिजली उत्पादन के वर्धन के बाद, वे एमिटी नोएडा स्थित हमारी प्रयोगशाला में 10 वाट की एलईडी ट्यूब लाइट को प्रदीप्त करने में सफल रहे।

### ड . अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

1. **रामानुजन पुरस्कार विजेता 2020 की घोषणा** डीएसटी :2014 से, विकासशील देश में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए विकासशील देश के गणितज्ञों के लिए 15,000 अमरीकी डॉलर के **आईसीटीपी** रामानुजन पुरस्कार को निधीयित कर रहा है।  
**ब्राजील** की गणितज्ञ प्रोफेसर **कैरोलिना अरौजो** को बीजगणितीय ज्यामिति, द्विपरिमेय ज्यामिति, और चरम रे सिद्धांत में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2020 के रामानुजन पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। वह महिलाओं को गणित में बढ़ावा देने के लिए भी सम्मानित की गईं। **डीएसटी** यह पुरस्कार विकासशील देशों में काम कर रहे प्रशंसनीय गणितज्ञ को 2014 से दे रहा है।
2. **भारत ब्रिक्स एसएंडटी सहयोग** :**डीएसटी** ने रूसी संघ द्वारा आयोजित **ब्रिक्स** अनुसंधान अवसंरचना विषयक पहले कार्यबल में 4 सितंबर, 2020 को आभासिक रूप में भाग लिया। कार्यबल ने न्यूट्रॉन उदगम, सिंक्रोट्रॉन और भूमिगत प्रयोगशालाओं के बुनियादी ढांचे के लिए भविष्य में सहयोग पर विचार विमर्श किया ।-**डीएसटी** ने 24-25 सितंबर 2020 को रूसी संघ द्वारा आयोजित ब्रिक्स खगोलिकी विषयक कार्य समूह की छठी आभासी बैठक में भी भाग लिया । जैसाकि तीसरे कार्य समूह की आयोजित बैठक के दौरान सिफारिश की गई, ब्रिक्स खगोलिकी समुदाय द्वारा प्रगत रूप से निर्मित 'ब्रिक्स इंटेलिजेंट टेलीस्कोप एंड डाटा नेटवर्क (**बीआईटीडीएन**)' नामक ब्रिक्स खगोलिकीय प्रमुख प्रस्ताव पर चर्चा की गई और इस पर आगे विचार के लिए संबंधित **ब्रिक्स** फोकस बिंदुओं और मंत्रालयों के साथ साझा करने का निर्णय लिया गया ।
3. **शंघाई सहयोग संगठन शंघाई** :के तहत **युवा वैज्ञानिक सम्मेलन की घोषणा (एससीओ)** (एससीओ) सहयोग संगठन के तहत पहले एससीओ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन की मेजबानी-

भारत द्वारा 24-28 नवंबर 2020 के दौरान की जाएगी। एससीओ के सदस्य देशों के वैज्ञानिक मंत्रालयों/युवा वैज्ञानिकों 120 विभागों के लगभग/, नवोन्मेषकों, 30 विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और अधिकारियों के भाग लेने की संभावना है। इस सम्मेलन का व्यापक उद्देश्य एससीओ सदस्य देशों में युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उदीयमान क्षेत्रों में प्रासंगिक चुनौतियों का समाधानकारी प्रयत्न करने के लिए आपस में बातचीत करने, नेटवर्क बनाने और सहयोग करने का अवसर प्रदान करना है। इस सम्मेलन से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन (एसटीआई) में अगली पीढ़ी के वैज्ञानिक नेतृत्व के निर्माण और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित पेशेवरों में (स्टेम) भविष्य के प्रति तत्परता और सृजनकारी युवाओं के माध्यम से एसटीआई में एससीओ की वैज्ञानिक पहचान बनाने में भी मदद मिलेगी। इस कॉन्क्लेव के लिए चुने गए विषयगत समूहों में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण अनुरक्षणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण; जैव प्रौद्योगिकी और जैवअभियांत्रिकी; अनुसंधान और नवप्रवर्तन के माध्यम से कोविड-19 और फैलती महामारी से जंग; पर्यावरण रक्षण और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल हैं।

4. **भारतयूरोपीय संघ कार्यशाला -भारत :यूरोपीय संघ विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग-** भारतीय क्षेत्र की स्थितियों में अपजल शोधन, पुनउपयोग और नवीनतम अत्याधुनिक : क़िफायती प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शनों पर 25-26 सितंबर को आभासी रीति से आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और यूरोपीय आयोग द्वारा सहायित भारतयूरोपीय संघ जल परियोजनाओं में से एक के तहत किया गया है। इस परियोजना में, अकादमिक संस्थानों से चयनित पच्चीस अनुसंधान एजेंसियां, भारत और यूरोप के एसएमई, गैर सरकारी संगठन, नागरिक निकाय मिलकर काम कर रहे हैं। फैलते प्रदूषकों, भूजल पुनर्भरण के लिए जल संचयन सहित अप जल शोधन के लिए कुल चौदह प्रायोगिक संयंत्रों की परिकल्पना परियोजना के तहत की गई है। कार्यशाला के दोहरे उद्देश्य सेवा प्रदाताओं और एसएमई के लिए ज्ञान, प्रौद्योगिकियों, दिशानिर्देशों और उपकरणों का आदानप्रदान करना-; अनुसंधान भागीदारी को समर्थ बनाना और अभिक्रिया तंत्रों के अनुप्रयोग के लिए अनुकूल वातावरण बनाना और इस क्षेत्र में आवश्यक जनशक्ति निर्मित करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना थे। 150 से अधिक शोधकर्ता; उद्योग के प्रतिनिधि; नगर निकायों, गैर सरकारी संगठन जैसे विशेष उपयोगकर्ता; डीएसटी के अधिकारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।
5. **भारत जर्मनी की एसएंडटी संयुक्त वैज्ञानिक समिति की बैठक** संयुक्त वैज्ञानिक समिति : की बैठक डीएसटी, भारत और जर्मनी शिक्षा एवं विज्ञान मंत्रालय (बीएमबीएफ), बर्लिन के 2 +2 संयुक्त आमंत्रण 2019 के तहत प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए 28-29 सितंबर 2020 को वेब जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंडो- (आईजीएसटीसी) द्वारा आयोजित की गई। 2 + 2 संयुक्त आमंत्रण के कार्य में, प्रत्येक देश के शिक्षाविदों से कम से एक साझेदार और उद्योग से एक साझेदारी होने चाहिए।
6. **पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान' पर भारत :पेरू वेबिनार-पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान पर एक** वेबिनार का आयोजन आयुष मंत्रालय, पेरू में भारतीय मिशन और नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन (सीओएनसीवाईटीईसी)), पेरू के सहयोग से

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (**डीएसटी**) द्वारा 17 सितंबर को किया गया। दोनों देशों में जैव विविधता और पारंपरिक औषधीय ज्ञान की विशाल समृद्धि है। दोनों देशों के विशेषज्ञों ने देशी वनस्पतियों और औषधीय पादपों, उनके पारंपरिक चिकित्सीय ज्ञान के संरक्षण के तरीकों और कोविड-19 से लड़ने में इस ज्ञान के उपयोग के क्षेत्रों में अपने शोध निष्कर्षों को साझा किया। दोनों देश समझते हैं कि भारतीय और पेरू वियाई पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान में बहुत सारी समानताएं हैं और उन्होंने भविष्य में सहयोग करने में अपनी रुचि व्यक्त की है। भारतीय पक्षकार ने पेरू के छात्रों और युवा शोधकर्ताओं को अल्पकालिक अध्येतावृत्ति कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित किया। इस वेबिनार के परिणामस्वरूप नए एसएंडटी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और सर्वोत्तम कार्यरतियों की साझेदारी के लिए वित्तपोषण एजेंसियां उपलब्ध हो सकती हैं।

7. **डीएसटीडीएसटी ने यूकेआईईआरआई के :यूकेआईईआरआई संयुक्त आभासी कार्यशाला-हिमालय से निकलने वाली भारतीय नदियों का जल सुरक्षा आकलन** साथ मूल्यांकन "पर 5 दिवसीय डीएसटी यूकेआईईआरआई संयुक्त आभासी कार्यशाला का आयोजन-7-11 सितंबर 2020 के दौरान किया। कार्यशाला का समन्वय भारत की ओर से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (**आईआईटी)बॉम्बे और यू.के. की ओर से ब्रिस्टल विश्वविद्यालय** द्वारा किया गया। इस मुद्दे के महत्व को समझते हुए सभी प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से इस बात पर सहमति व्यक्त की कि इन मुद्दों का समाधानकारी प्रयत्न हितधारकों के साथ संघ बनाकर संयुक्त अनुसंधान और विकास प्रयत्नों के माध्यम से करने की तत्काल आवश्यकता है।

"एडवर्सरियल साइबर सुरक्षा" पर एक अन्य डीएसटीयूकेईआरआई आभासिक कार्यशाला का - आयोजनलंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी और सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी इनोवेशन एंड कोलाबोरेशन (आईआईटी) के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआरआईसी-सी) मंडीद्वारा 23-24 सितंबर, 2020 के दौरान किया गया। इस कार्यशाला में साइबर हमलों और साइबर रक्षा में शामिल प्रौद्योगिकीय, बोधनशील और सामाजिक कारकों के बारे में ज्ञान प्रदान करने और अनुभव साझा करने के तरीके पर चर्चा की गई।

8. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक का आयोजन बेन गुरियन हेरिटेज इंस्टीट्यूट के साथ सहयोग पर चर्चा करने के लिए 24 सितंबर 2020 को इसराइल में किया गया था। बेनगुरियन के - डेजर्ट होम में स्वतंत्र भारत के संस्थापक महात्मा गांधी की दृश्य उपस्थिति और वहां इसकी प्रधानता, महात्मा गांधी के प्रति इजरायल के संस्थापक द्वारा महसूस किए गए उच्च सम्मान का संकेत है। इसका उद्देश्य सहयोग को आगे बढ़ाने और साबरमती आश्रम के साथ संयुक्त आभासी पर्यटन का आयोजन करने के उद्देश्य से ऐतिहासिक संबंध का विस्तार करना था। यह विचार इन दोनों नेताओं की विशिष्टता में संबंध जोड़ते हुए दोनों देशों के आगंतुकों को आकर्षित करने, और भारत और इसराइल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उल्लेखित उद्देश्यों की दिशा में काम वाला है।
9. आभासी रहस्योद्घाटक कार्यक्रम का आयोजन अगले वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान

प्रबंधित अंतर्राष्ट्रीय **आईओटी** सम्मेलन के लिए (फिजिकल सिस्टम्स-साइबर)30 सितंबर 2020 को किया गया ताकि प्रस्तावित मुख्य सम्मेलन का सम्यक बोध रूपांकित किया जा सके। इस कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, 5जी और भारतीय स्टार्ट अप बनाम-प्रौद्योगिकी क्रांति के विषयगत क्षेत्रों को शामिल किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य सम्मेलन हेतु सक्रियता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया और युवा इंजीनियरों, स्टार्टअप्स-, उद्यमियों, प्रौद्योगिकीविदों और विभिन्न अकादमिक संस्थानों के संकायों के लिए उपयोगी था। वक्ताओं ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, नए व्यवसाय और अभिनव विचार प्रस्तुत किए।

10. **मिशन इनोवेशन आईसी7:** व्यवसाय एवं ऊर्जा और औद्योगिक कार्यरिती विभाग, लंदन और रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट, अमेरिका और हीट पंप सेंटर, स्वीडन के राइज रिसर्च संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ आयोजित किफायती इमारती तापन और शीतलन सह-संचालन की बैठक में भारत में अनुसंधान और कार्यान्वयन संभावना और कार्यक्रम निर्माण के रोडमैप पर चर्चा की गई ।

#### च मानव क्षमता निर्माण

1. **महिला वैज्ञानिक योजना)** चार :4) सम्मिलित बैठकें महिला वैज्ञानिक योजना ए-के (ए-डब्ल्यूओएस)प्रधान अन्वेषकों के साथ आयोजित की गई हैं। भौतिक और गणित विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी और वायुमंडल विज्ञान और रसायन विज्ञान की लगभग 120 महिला वैज्ञानिकों ने इन बैठकों में भाग लिया है । महिला वैज्ञानिकों के सामने कार्यविषयक चुनौतियों पर चर्चा हुई है । **डीएसटी** के अधिकारियों ने महिला वैज्ञानिकों के कई तकनीकी, प्रशासनिक और वित्तीय प्रश्नों का भी उत्तर उनकी परियोजना के संबंध में दिया । इसके अलावा,अगला अनुदान निर्गत करने के लिए उपयोग प्रमाण पत्र और व्यय विवरण, भारतकोष, पीएफएमएस तैयार करने और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बारे में प्रत्येक बैठक में एक सत्र भी आयोजित किया गया। इसके अलावा, 45 संस्वीकृतियां डब्ल्यूओएस बी कार्यक्रमों के तहत-ए और डब्ल्यूओएस-सितंबर के दौरान जारी की गई हैं।
2. **विज्ञान ज्योति:** अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के डॉ स्वप्निल शिंदे द्वारा "ए रोड लेस ट्रेवेल्ड बट ए जर्नी वथ टेकिंग:' इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ एस किरण द्वारा " इंडिया इन स्पेस"; इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन द्वारा "नव अंतरिक्ष युग में प्रत्याशा और संभावना", महात्मा गांधी विश्वविद्यालय कोट्टायम के कुलपति प्रो साबू थॉमस द्वारा 'वेलकम टू नैनो वर्ल्ड ऑफ साइंस' और एनआईटी सूरत के डॉ सुभान के साहू द्वारा "कोविड 19: चुनौतियां एवं प्रबंधनपर विशेष व्याख्यान " आयोजित किए गए।

**विशेष ऑनलाइन कक्षाएं:** सितंबर के दौरान, विज्ञान ज्योति के तहत चयनित लड़कियों के लिए 99 ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की गई हैं। ये कक्षाएं अकादमिक क्षमता का निर्माण करने और संकल्पना और कौशल की स्पष्टता में छात्रों की मदद करने के लिए लक्षित हैं ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं का सामना कर सकें। कक्षाओं के अलावा 2 ऑनलाइन परीक्षाएं भी **विज्ञान ज्योति** के सभी छात्रों के लिए 13 और 27 सितंबर, 2020 को आयोजित की गई

हैं।

3. **इंस्पायर- मानक:** इस माह के दौरान 30 सुग्राहीकरण बैठकों का संचालन विभिन्न राज्यों/संघराज्य क्षेत्रों में **मानक** स्कीम को कार्यान्वित करने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ किया गया। लगभग 3500 शिक्षकों/कर्मचारियों ने इन बैठकों में भागीदारी की।
4. **योग एवं ध्यान विज्ञान और प्रौद्योगिकी (सत्यम): सत्यम-विशेष आमंत्रण के अंतर्गत विशेषज्ञ समिति की प्रथम बैठक 17 और 18 सितम्बर, 2020 को संचालित की गई ताकि कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए सत्यम के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों की अंतिम संस्तुति की जा सके।**
5. **अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान की खोज में नवोन्मेष (इंस्पायर) स्कीम:**  
**उच्चतर शिक्षा छात्रवृत्ति (शी):**
  - 1095 शी स्कॉलरों ने आधारभूत एवं प्राकृतिक विज्ञान में बी.एससी./एम.एससी. डिग्री पाठ्यक्रम के अनुशीलन के लिए अपनी-अपनी छात्रवृत्ति प्राप्त की।**इंस्पायर स्कीम:**
  - 234 इन्सपायर अध्येताओं ने अपने डॉक्टरल डिग्री कार्यक्रम के अनुशीलन के लिए अपनी छात्रवृत्ति प्राप्त की।**इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति:** 75 इंस्पायर संकाय अध्येता अनुदान उनके पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रम के अनुशीलन हेतु जारी किए गए।

#### **छ. वैज्ञानिक अवसंरचना निर्माण**

1. प्रतिप्रोटॉन एवं आयन अनुसंधान सुविधा (**फेयर**), तीस मीटर दूरबीन (**टीएमटी**) और भारत आधारित न्यूट्रीनो (**आईएनओ**) परियोजनाओं में विभिन्न परियोजनागत कार्यकलाप जारी रहे। क्षेत्रीय विश्व-व्यापी लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर कम्प्यूटिंग ग्रिड (**डब्ल्यूएलसीजी**) श्रेणी-2 सुविधाकेंद्र ने माह के दौरान 24X7 तक कार्य करना जारी रखा।
2. जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (**जेएनसीएसआर**), बंगलुरु और भारतीय विज्ञान संस्थान (**आईआईएससी**), बंगलुरु के वैज्ञानिकों ने वास्तविक समय में माइक्रोस्कोप से विकाचन की प्रक्रिया को देखने का अनन्य तरीका ईजाद किया है।
3. भारतीय विज्ञान पोषण संस्था (**आईएसीएस**), कोलकाता ने जीवजनित थाइओल की पहचान हेतु नया संवेदक तैयार किया है।
4. रमन अनुसंधान संस्थान (**आरआरआई**), बंगलौर के वैज्ञानिक क्वांटम अवस्थाओं के कुशलतापूर्वक इस्तेमाल करने के लिए नई रीति के साथ प्रयोग कर रहे हैं ताकि उनका उपयोग संगणना, संचार एवं मापिकी में किया जा सके। परीक्षण में लगे वैज्ञानिकों ने ऐसी अवस्थाओं का अभिलक्षण करने और उनका आकलन करने का अभिनव तरीका निकाला है। क्वांटम स्टेट इंटरफेरोग्राफी नामक अभिलक्षण की इस पद्धति से ऐसे कौशलपूर्ण इस्तेमाल को सरलतर बनाने में सहायता मिल सकती है जिससे क्वांटम प्रौद्योगिकी में कई अतिमहत्वपूर्ण प्रचालन कम बोझिल हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त, उनके कार्यों से यह संकेत भी मिलता है कि कैसे इस तकनीक से दीर्घावधि में लघुरूपित युक्ति तैयार की जा सकती है जिनका उपयोग वाणिज्यिक स्तर पर क्वांटम अवस्था आकलन में किया जा सकेगा।

5. वाडिया हिमालयी भूविज्ञान संस्थान (डब्ल्यूआईएचजी), देहरादून ने बहिस्तल 3डी भूकंपीय डेटा से अधस्तल भूविज्ञान लक्षणों की व्याख्या प्रक्रिया को स्वचलित बनाने के लिए अन्य भूकंपीय कारकों के एक सेट का सम्मिलन करके नए मेटा-कारक की संगणना हेतु न्यूरोल आधारित पद्धति तैयार की, और न्यूजीलैंड से दूर तारानाकी बेसिन के कारेवा प्रॉस्पेक्ट, जहां एमटीडी देखे गए हैं, में द्रव्यमान वहन निक्षेप की 3डी संरचनागत ज्यामिती का सीमांकन करके इसके सफल अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया। यह पद्धति हाइड्रोकार्बन्स की गवेषणा करने, भूविवर्तनिक अंतर्वृद्धि उपलब्ध कराने, और मानव विश्लेषकों द्वारा सीमित बेहतरकारी कार्रवाई के साथ प्राकृतिक जोखिम आकलन करने, विशेष रूप से जहां आंकड़ों की मात्रा वृहत हो और क्षेत्र भूविज्ञान की दृष्टि से जटिल संघवाला हो, काफी उपयोगी है।
6. प्रौद्योगिकी सुप्राप्ति स्तर आकलन संबंधी नया कार्यक्रम प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) नई दिल्ली द्वारा शुरू किया गया ताकि अनुसंधान प्रयोगशालाओं, शिक्षाजगत, अटल नवप्रवर्तन प्रयोगशालाओं और टीबीआई जैसे प्रवर संस्थानों में प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो का सृजन एवं प्रबंधन किया जा सके।
7. एस एन बोस राष्ट्रीय मूलभूत विज्ञान केंद्र (एसएनबीएनसीबीएस), कोलकाता द्वारा दो कक्षक: एनआई एक्स(2)-वाई(2), तथा एक अक्षीय कक्षक वाले प्रथम सिद्धांत व्युत्पन्न निम्न ऊर्जा मॉडल हैमिल्टनी का उपयोग करके एनडीएनआईओ2 तथा एलएएनआईओ2 में अतिचालकता परिलक्षित की गई।
8. एसएनबीएनसीबीएस ने नियंत्रित वातावरण में निलंबित कणिका पदार्थ वाली मुक्त वायु की सापेक्ष आर्द्रता एवं तापमान के मापन की पराश्रव्य प्रविधि तैयार की।
9. जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएसआर), बंगलुरु, साहा नाभिकीय भौतिकी संस्थान (एसआईएनपी), कोलकाता और डीईएसवाई, जर्मनी ने सर्वाधिक स्थिर फलक-केद्रित घन (एफसीसी) जालक में परिवर्तन करके, स्वर्ण में नए उत्प्रेरक गुणधर्मों का प्रवर्तन किया, जिससे यह नए रूप में अंतरित हो गया। इससे उद्योग के लिए स्वर्ण आधारित उत्प्रेरण प्रारंभ हो सकता है।
10. आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एरीज), नैनीताल में हाल ही में प्रचालनरत एसटी राडार सुविधाकेंद्र से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके हिमालयी क्षेत्र के वातावरण प्रक्षोभ मापदंडों के आकलन के संबंध में पत्र प्रकाशित किया गया। कृष्ण विवर के चारों ओर अभिवृद्धि चक्रिकाओं के स्पेक्ट्रा तक पहुंच बनाने के लिए एक नए सूत्र का प्रयोग करके कृष्ण विवर द्रव्यमान के आकलन के संबंध में एक अन्य कार्य का संचालन किया गया।
11. बोस संस्थान (बीआई), कोलकाता में एफ.लैटेरिटियम के प्रत्यूर्जक-विभव का संचालन किया गया और प्रत्यूर्जकों को अभिज्ञात किया गया।
12. बीआई ने पूर्वी हिमालय के उच्च स्थानिक शहरी वातावरण में मेघ द्रवण नाभिक के रूप में ब्लैक कार्बन और सी-सॉल्ट एयरोसोल्स की सापेक्ष भूमिका का ज्ञान प्राप्त किया।
13. मानव लाइसोजाइम के एमिलाइड रेशक विरचन पर एंटाकापोन के निरोधी प्रभावों की जांच बीआई द्वारा की गई।
14. सीएसआईआर-आईआईसीबी के सहयोग से बीआई ने एक नया पिरिमिडो-क्विनोक्सलीन

संयुक्त विषम चक्र तैयार किया जिससे एमजी 2 के बंधन + टीआरएनए के बंधन साइट पर संवर्धित प्रतिदीप्ति प्रदर्शित हुई।

15. आदित्य-एल1 मिशन हेतु दृश्य उत्सर्जन रेखा कोरोनाग्राफ(वीईएलसी) यंत्र के संबंध में भारतीय ताराभौतिकी संस्थान (आईआईए), बंगलुरु के विज्ञान दल ने **वीईएलसी** के स्पेक्ट्रमदर्शी तथा स्पेक्ट्रमदर्शी-ध्रुवणमिति प्रणाल द्वारा चित्ररेखापुंज-क्रमवीक्षण के लिए नए प्रेक्षण विज्ञान पर कार्य किया और उनके कार्यान्वयन के लिए **इसरो** के पेलोड एवं मिशन दलों को सूचनाएं उपलब्ध कराईं।
16. **विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पर्स):** ऑनलाइन परिचर्चा बैठक 8 सितम्बर 2020 को आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत सहायित कुल पच्चीस विश्वविद्यालयों ने बैठक में भाग लिया। **पर्स** अनुदान के उपयोग संबंधी जिज्ञासाओं का समाधानकारी प्रयत्न करने के अतिरिक्त, विश्वविद्यालयों से अनुरोध किया गया कि वे शोध सुविधा केंद्रों की सूची आई स्टेम ( भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी सुविधा केंद्र मानचित्र) पर डालने के संबंध में सरकार के आदेश का पालन करें ताकि देश में उनके बेहतर उपयोग और एसएडंटी प्रणाली के सभी हितधारकों तक लाभ पहुंचाने के लिए उन्हें साझा किया जा सके। बैठक के कार्यवृत्त को अंतिम रूप दिया गया और उसे **पर्स** के समुचित कार्यान्वयन के लिए प्रतिभागी विश्वविद्यालयों को परिचालित किया गया।
17. डीएसटी ने **नैसकॉम** और माइक्रोसॉफ्ट की भागीदारी में **इनोवेट फॉर एक्सेसिबल इंडिया** कार्यक्रम को सहायता प्रदान की। हम मूल्यांकन के अंतिम स्तर पर नवोन्मेष और स्टार्ट अप्स चयन की निर्णायक समिति का हिस्सा हैं।
18. नव पीढी नवप्रवर्तन एवं उद्यमशीलता विकास केंद्र/ नवप्रवर्तन एवं उद्यमशीलता विकास केंद्र (नव पीढी आईईडीसी/ आईईडीसी) सलाहकार समिति की चार बैठकें वेलाम्माल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मदुरै, आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकलतुर, चेन्नई तथा मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान, फरीदाबाद, हरियाणा में नवप्रवर्तन एवं उद्यमशीलता संबंधी कार्यकलापों की समीक्षा करने के लिए आयोजित की गई। यह पाया गया है कि 65 नवप्रवर्तक छात्र परियोजनाओं को चार नव पीढी आईईडीसी/ आईईडीसी केंद्रों में सहायित किया गया है। समिति ने यह भी पाया कि छात्र दल द्वारा 10 पेटेंट दाखिल किए गए और 20 स्टार्ट अप्स की स्थापना की गई। समिति सभी चार नव पीढी आईईडीसी/ आईईडीसी केंद्रों की प्रगति से संतुष्ट है।

\*\*\*\*\*